

Rahim Taghizadegan

## **Wirtschaft wirklich verstehen**

Einführung in die Österreichische Schule der Ökonomie

FinanzBuch Verlag

# INHALT

|   |           |
|---|-----------|
| <b>Vorwort von Philipp Vorndran:</b>      |           |
| Ist gut gemeint wirklich immer gut? ..... | <b>9</b>  |
| <br>                                      |           |
| <b>Einleitung .....</b>                   | <b>13</b> |
| Die Launen der Ökonomie.....              | 13        |
| Ein Besuch im alten Wien .....            | 15        |
| Was den Leser erwartet .....              | 16        |
| <br>                                      |           |
| <b>Wiener und Berliner.....</b>           | <b>19</b> |
| Moderne Ökonomen .....                    | 19        |
| Was ist Ökonomie? .....                   | 20        |
| Die Verlockungen der Macht .....          | 22        |
| Die Klassiker .....                       | 25        |
| <br>                                      |           |
| <b>Werte und Kosten.....</b>              | <b>29</b> |
| Objektive Wertlehren.....                 | 29        |
| Wasser und Diamanten .....                | 31        |
| Grenznutzen .....                         | 33        |
| Präferenzen .....                         | 35        |
| Nutzenkalküle .....                       | 38        |
| <br>                                      |           |
| <b>Handel und Märkte .....</b>            | <b>43</b> |
| Warum Menschen tauschen.....              | 43        |
| Arbeitsteilung .....                      | 45        |
| Wer profitiert vom Tausch? .....          | 46        |
| Komparativer Vorteil .....                | 48        |
| Tausch und Gesellschaft .....             | 49        |
| Marktfeindlichkeit .....                  | 51        |
| Alternativen zum Markt .....              | 53        |
| Globalisierung.....                       | 58        |

|   |            |
|---|------------|
| <b>Marktversagen und Interventionen .....</b> | <b>63</b>  |
| Profitstreben .....                           | 63         |
| Privateigentum .....                          | 64         |
| Sozialismus .....                             | 67         |
| Das Kalkulationsproblem .....                 | 70         |
| Beispiele für Marktversagen .....             | 72         |
| Kommunismus .....                             | 75         |
| Mindestpreise .....                           | 77         |
| Höchstpreise .....                            | 78         |
| Interventionsspiralen .....                   | 81         |
| <br>  |            |
| <b>Arbeitsplätze .....</b>                    | <b>83</b>  |
| Das Arbeitsleid .....                         | 83         |
| Arbeitsbeschaffung .....                      | 84         |
| Produktionsfaktoren .....                     | 86         |
| Produktionsstruktur .....                     | 87         |
| Ertrag der Arbeit .....                       | 89         |
| Ausbeutung .....                              | 92         |
| Einspeisung von Erwartungen .....             | 96         |
| Arbeitnehmerschutz .....                      | 98         |
| <br>  |            |
| <b>Wohlstand und Armut .....</b>              | <b>105</b> |
| Der Weg aus der Armut .....                   | 105        |
| Kapitalaufbau .....                           | 107        |
| Entwicklung .....                             | 109        |
| Sind Wohlstand und Armut messbar? .....       | 112        |
| Investitionen .....                           | 114        |
| Ungleichheit .....                            | 117        |
| <br>  |            |
| <b>Zinsen .....</b>                           | <b>121</b> |
| Zeitpräferenz .....                           | 121        |
| Zinssätze .....                               | 123        |
| Horten .....                                  | 126        |
| Anpassung der Produktionsstruktur .....       | 128        |
| Zinseszins .....                              | 133        |
| Darlehen .....                                | 135        |

|   |            |
|---|------------|
| Der Umgang mit Fremden .....              | 137        |
| Risikoloser Zins .....                    | 138        |
| <b>Unternehmer .....</b>                  | <b>143</b> |
| Gleichgewicht und Veränderung .....       | 143        |
| Wirtschaft als Wissensproblem.....        | 146        |
| Wissenslücken und Arbitrage.....          | 151        |
| Ungewissheit und Verantwortung.....       | 157        |
| <b>Geld .....</b>                         | <b>165</b> |
| Indirekter Tausch .....                   | 165        |
| Marktgängige Güter.....                   | 167        |
| Die Vorgeschichte des Geldes .....        | 169        |
| Geld als Wertspeicher und Maßstab.....    | 171        |
| Geldhaltung.....                          | 173        |
| Inflation.....                            | 175        |
| Umverteilung durch Inflation .....        | 177        |
| Papierge...d.....                         | 179        |
| Deflation und Hyperinflation .....        | 182        |
| Die keynesianische Täuschung.....         | 184        |
| Messung der Inflation .....               | 185        |
| <b>Banken und Wirtschaftskrisen .....</b> | <b>189</b> |
| Die Funktion von Banken.....              | 189        |
| Liquidität von Banken .....               | 192        |
| Kreditausweitung .....                    | 194        |
| Ausweitung der Geldmenge .....            | 197        |
| Wenn den Banken das Geld ausgeht .....    | 200        |
| Der Konjunkturzyklus .....                | 203        |
| Spekulation.....                          | 206        |
| Pyramidenspiele.....                      | 210        |
| <b>Regulierung und Steuern .....</b>      | <b>215</b> |
| Bankenrettung.....                        | 215        |
| Anreizanalyse .....                       | 220        |

|  |            |
|--|------------|
| Steuerliche Anreize.....                         | 225        |
| Umverteilung .....                               | 231        |
| <b>Kapitalismus .....</b>                        | <b>235</b> |
| In welchem System leben wir?.....                | 235        |
| Neoliberalismus .....                            | 240        |
| Soziale Marktwirtschaft.....                     | 244        |
| Staatskritik.....                                | 247        |
| <b>Anleitung für den kritischen Bürger .....</b> | <b>255</b> |
| Die ideale »österreichische« Welt.....           | 255        |
| Theorie und Praxis.....                          | 258        |
| Politischer Wandel.....                          | 262        |
| Anlageempfehlungen .....                         | 267        |
| Wozu? .....                                      | 272        |
| <b>Literaturempfehlungen .....</b>               | <b>275</b> |
| Einführungen .....                               | 275        |
| Originalliteratur .....                          | 276        |
| Weiterführendes .....                            | 278        |
| <b>Stichwortverzeichnis .....</b>                | <b>281</b> |